VENUS WORLD SCHOOLS

Academic Session 2021-22

Summative Assessment 1

Grade — V **Date - 21/09/21**

Sub- — Hindi **Marks — 50**

प्र.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । **5 अंक**

1. इला की हिंमत की अनूठी ------------ है ।
2. एक दिन तुम बहुत बडे ------------ बनोगे ।
3. सरकार ने कवरसिंह को बेस्ट ---------- का इनाम दिया ।
4. वह पुस्तक बहुत --------- थी ।
5. इला सुनहरी --------- बुटिया उकरते थकती नही है ।

प्र.2 सही और गलत पहचानो । **5 अंक**

1. इला दसवीं तक पढ पाई ।
2. कवरसिंह को पांच बच्चे है ।
3. लोनपोगार अपनी चालाकी और हाजीरजवाबी के लिए मशहूर थे ।
4. किसी भी जगह का पिन कोड सात अंक का होता है ।
5. तमिळनाडू में मकर संक्रांति त्योहार पोंगल के रुप मे मनाया जाता है ।

प्र.3 एक वाक्य में उत्तर लिखिए । **(कोई 5)** **5 अंक**

1. डाकिया कहा का रहने वाला था ?
2. इला सचानी क्या काम करती है ?
3. कुम्मी के हाथ जो किताब आई थी वह कब छपी होगी ?
4. कविता में तरह-तरह की चीजें लेकर कौन आया है ?
5. अकबर ने तेरह साल की उम्र में क्या काम किया था ?
6. पिनकोड का क्या अर्थ है ?

प्र.4 सही मिलान करें | **5 अंक**

1. बिहार.	अ) पोंगल
2. आसाम.	आ) लोहडी
3. केरल.	इ) बिहू
4. तमिळनाडू.	ई) मकर संक्रांति
5. पंजाब.	उ) ओणम

प्र.5 दो से तीन वाक्य में उत्तर लिखे | **(कोई 4)** **8 अंक**

1. इला दसवी की परिक्षा क्यों पास नही कर पाई ?
2. डाक सेवक को क्या-क्या काम करना पडता है ?
3. पौंगल त्योहार के बारे में कुछ बाते लिखो ?
4. पैदल हरकारों को किस-किस तरह की दिक्कतो का सामना करना पडता होगा ?
5. तुम मशीन की मदत से पढना चाहोगे या अध्यापक की मदत से ? दोनों के पढने में किस- किस तरह की आसानिया और मुश्किल है ?

प्र.6 **व्याकरण**

अ) दिए गए सर्वनाम शब्द का वाक्यों मे प्रयोग करें | **2 अंक**

1. तुम –

2. उसको –

आ) प्रत्येक विशेष्य के साथ दो-दो विशेषण लिखें | **2 अंक**

1.पुस्तक –

2.कन्या –

इ) दिये गए वाक्यों में से क्रिया छांटकर लिखें | **2 अंक**

1. राधा ने पत्र लिखा |

2. सूर्य पूर्व दिशा से निकलता है |

ई) सही कारक पर ✓ का निशान लगाऐ | 2 अंक

1. भुखे को भोजन दो | (संप्रदान / करण)
2. वह दिल्ली से आया | (कर्म / अपादान)

उ) वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखें | 2 अंक

1. लडकी खेल रही है |
2. पेड से पत्ता गिरा गया |

प्र.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिजीए | 4 अंक

कुछ लोग परिश्रम की अपेक्षा भाग्य को महत्त्व देते हैं | उनका कहना है कि जो भाग्य में होगा अवश्य मिलेगा , इसलिए दौड-धूप करना व्यर्थ है | परंतु आलसी बनकर बैठे रहना और असफलता के लिए भाग्य को कोसना किसी प्रकार भी उचित नहीं | परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को बदल सकता है | परिश्रमी व्यक्ती स्वावलंबी, इमानदार और चरित्रवान होता है | परिश्रम के द्वारा ही मनुष्य अपने, परिवार की, जाती की तथा राष्ट्र की उन्नती में सहयोग दे सकता है | अंतः परिश्रम करने की प्रवृत्ती मनुष्य को विद्यार्थी जीवन से ही ग्रहन करनी चाहिए |

1. भाग्य को महत्व देने वालों का क्या कहना है ?
2. क्या उचित नहीं है ?
3. परिश्रमी व्यक्ती कैसे होते है ?
4. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखें ?

प्र.8 अपने मित्र को कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखो | 4 अंक

प्र. 9 दिए गए किसी एक विषय पर निबंध लिखिए | 4 अंक

1. डाकिया
2. समय का सदुपयोग
3. मेरा प्रिय खेल